Government of India-
United Nations Joint Programme
on Convergence (GoI-UNJPC)

PAHELI 2011

स्वास्थ्य, शिक्षा व जीविका का सार्वजनिक मूल्यांकनः

जिला रिपोर्ट कार्ड : भीलवाड़ा (राजस्थान)

Empowered lives.
Resilient nations.

PAHELI 2011 in Bhilwara district (Rajasthan) carried out by Pratham / ASER Centre

परिचय

पहेली (PAHELI) 2011 एक जिले में मानव विकास की मौजूदा स्थिति का एक त्वरित मूल्यांकन है जिसमे चार प्रमुख क्षेत्रों को ध्यान में रखा जाता है : जीवन और रोज़गार (गरीबी से संबद्ध), पानी और स्वच्छता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, और शिक्षा और साक्षरता।

इसका व्यापक उद्देश्य कुछ ऐसे उपकरण तैयार करना है जिन्हें साधारण व्यक्ति सामान्य रूप से अन्तराष्ट्रीय एमडीजी लक्ष्यों पर हुई प्रगति पर ध्यान रखने के साथ–साथ, गरीबी घटाने, व सामाजिक सुरक्षा और मानवीय क्षमताओं के विकास के लिए हुई प्रगति के मूल्यांकन के लिए व्यवहार में ला सकें।

भारत सरकार – यूनाइटेड नेशन्स ज्वाईन्ट प्रोग्राम ऑन कन्वरजेंस (GoI-UNJPC) की सहायता से ASER केन्द्र ने स्थानीय जिला संगठनों तथा अन्य भागीदारों के साथ पहेली का संचालन किया है। प्रत्येक जिले में पहेली का भागीदार एक स्थानीय–आम तौर पर गैर–सरकारी संगठन रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर, कार्यक्रम के आंकड़ों के विश्लेषण में दो अन्य भागीदारों –अकाउन्टेबिलिटी इनिशिएटिव तथा अर्घ्यम–ने सहयोग किया। प्रत्येक राज्य तथा जिले में, जिला प्रशासन तथा भारत सरकार– यूनाइटेड नेशन्स ज्वाईन्ट प्रोग्राम ऑन कन्वरजेंस (GoI-UNJPC) टीम ने बहुमूल्य सहायता, सुझाव तथा प्रोत्साहन प्रदान किया।

पहेली आम लोगों के जीवन के चुनिन्दा, बुनियादी आयामों पर केन्द्रित है। प्राथमिक आँकड़े जमा करने के लिए यह एक सहभागितापूर्ण दृष्टिकोण के साथ बुनियादी सूचकों, आसान उपकरणों तथा आसानी से दोहराई जा सकने वाली प्रक्रियाओं का प्रयोग करती है। इसमें गतिविधियों, टिप्पणियों तथा सवालों का समायोजन है। जहाँ भी सम्भव हुआ, वहाँ सर्वेक्षण उपकरणों में चित्रों का प्रयोग किया गया है। सर्वेक्षण में गतिविधियौं और चित्रित उपकरणों के उपयोग से सर्वेक्षण करने वालों और सर्वेक्षित लोगों के बीच सहभागिता और तालमेल बढ़ाने में सहायता मिली।

पहेली 2011 का आयोजन देश के 7 राज्यों के 8 भारत सरकार – यूनाइटेड नेशन्स ज्वाइंट प्रोग्राम ऑन कन्वरजेंस (GoI-UNJPC) जिलों उदयपुर, भीलवाड़ा, हरदोई, नालन्दा, गुमला, सुन्दरगढ़, कोरबा तथा राजगढ़ में हुआ। 7 जिलों में यदैच्छृक रूप से चुने गए साठ गांवों में भ्रमण किया गया; परन्तु, भीलवाड़ा में 68 निर्धारित गांवों में भ्रमण किया गया। प्रत्येक गांव में यदैच्छृक रूप से चुने बीस घरों का सर्वेक्षण किया गया। वयस्क स्त्रियों से घर के बारे में सवाल पूछे गए। फिलहाल, पहेली प्रयास द्वारा एक सामग्री समूह तथा जिला मानव विकास रिपोर्ट कार्ड्स का एक सेट तैयार किया गया है। उम्मीद है कि इन कार्ड्स से जिले में गरीबी के विभिन्न आयामों तथा मानव विकास को समझने में, योजनाकारों, नीति निर्माताओं और व्यावसायिक लोगों को मदद मिलेगी। यदि ये उपयोगी साबित होते हैं, तो ग्रामीण स्तर, पंचायत स्तर, ब्लॉक स्तर या जिला स्तर पर विभिन्न प्रतिनिधि आकारों के साथ यह विधि इस्तेमाल की जा सकती है।

पहेली प्रयास का इरादा आंकड़ों के विद्यमान स्रोतों को बदलना या प्रतिस्थापित करना नहीं है। यह सरल भाषा में व्यक्त एक ऐसा उपकरण है जिसका उपयोग मानव विकास की स्थिति का अन्य स्तरों के अनुरूप तुलना करने तथा उस पर नज़र रखने के लिए किया जा सकता है।

दिल्ली में, तथा राज्य और जिला स्तरों पर भारत सरकार– यूनाइटेड नेशन्स जाइन्ट प्रोग्राम ऑन कन्वरजेंस (GoI-UNJPC), योजना आयोग, यूएनडीपी (UNDP), यूनिसेफ (UNICEF) तथा यूएनएफपीए (UNFPA) से प्राप्त सहयोग के लिए हम अत्यन्त आभारी हैं। हम सम्पूर्ण पहेली डिज़ाइन, प्रक्रिया और विश्लेषणों के लिए, विशेष तौर पर सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं और ग्रामीण सुविधाओं के सम्बन्ध में बहुमूल्य सहायता और सुझावों के लिए अकाउन्टेबिलिटी इनिशिएटिव (http://www.accountabilityindia.in) और अर्घ्यम (http://www.arghyam.org) को इन से प्राप्त वित्तीय सहभागिता के साथ ही डिजाइन और विश्लेषण चरणों में मिले इनपुट्स और जुड़ाव के लिए भी धन्यवाद देना चाहेंगे।

स्थानीय जिला भागीदारों के बिना, इसमें से कुछ भी सम्भव नहीं था। हम भीलवाड़ा (राजस्थान) में प्रथम स्वयंसेवियों, उदयपुर (राजस्थान) में सहयोग संस्थान, शिव आरोग्य संस्थान तथा ग्राम जन प्रबन्ध, हरदोई (उ.प्र.) में सार्वजनिक ग्रामीण विकास संस्थान, नालन्दा (बिहार) में प्रेरणा डेवलपमेन्ट फाउन्डेशन, गुमला (झारखण्ड) में लोहरदग्गा ग्राम स्वराज्य संस्थान, यूथ असिस्टेंस फॉर वॉलंटरी एक्शन एण्ड रूरल डेवलपमेन्ट (लीड पार्टनर), सुन्दरगढ़ (उड़ीसा) में विस्तार, सुन्दरगढ़ एजुकेशन सोसायटी, यूथ तथा उद्योग, कोरबा (छत्तीसगढ़) में स्रोत और राजगढ़ (म.प्र.) में पर्यावरण सुन्दर संगठन के प्रति ह्रदय से आभार व्यक्त करते है।

ज़िला रिपोर्ट कार्ड - भीलवाड़ा, राजस्थान

नमूना विवरण	
गाँवों की संख्या	68
स्कूलों की संख्या	65
राशन की दुकानों (PDS) की संख्या	15
आंगनवाड़ी केन्द्रों (AWC) की संख्या	55
परिवारों की संख्या	1332
वयस्क स्त्रियों की संख्या (16 वर्ष एवं इससे ज़्यादा उम्र की)	2311
वयस्क पुरुषों की संख्या (16 वर्ष एवं इससे ज़्यादा उम्र के)	2395
3-16 वर्ष के बीच की उम्र वाले सर्वेक्षित बच्चों की संख्या	2083

भीलवाड़ा ज़िले में सर्वेक्षित 1332 में से 15 (1.1%) परिवारों के बारे में जाति सम्बन्धी जानकारी दर्ज नहीं हो पाई। इसलिए जातिवार आंकड़े उपलब्ध जानकारी के आधार पर तैयार किए गए हैं।

अनुसूचित जाति = अ.जा
अनुसूचित जन जाति = अ.ज.जा
अन्य पिछड़ा वर्ग = अ.पि.व

इस रिपोर्ट की सारणियों के सन्दर्भ में:
सभी = अ.जा + अ. ज. जा + अ. पि. वि+ अ.जा / अ. ज. जा / अ. पि. वि के अतिरिक्त + अनुपलब्ध आंकड़े।
फिर भी, हर जिले के लिए, प्रमुख जाति समूहों से सम्बद्ध उपलब्ध आंकड़े दिए गए हैं।

तथ्य तालिका

जीवन और जीवनयापन

- चावल और मिट्टी के तेल को छोड़ कर साधारणतः पी डी एस से सामग्री की मात्रा सम्बंधित जानकारी लोगों के कार्डों में लिखित जानकारी के अनुरुप ही है।
- 67.4% उत्तर देने वाले लोगों को MGNREGS की जानकारी है। केवल एक–चौथाई उत्तरदाताओं को ही MGNREGS के मूल प्रावधानों की जानकारी है।
- औसत मज़दूरी 78.6 रुपये थी और कार्यस्थल तक की औसत दूरी 1.3 कि.मी. थी।

जल और स्वच्छता

- 63.6% आई.सी.डी.एस. केन्द्र और 55.4% विद्यालय दूषित पानी का प्रयोग कर रहे थे।
- मात्र 9.1% आई. सी. डी. एस. केन्द्रों में स्वच्छ और प्रयोग योग्य शौचालय थे।
- 66.2% विद्यालयों में प्रयोग योग्य शौचालय थे और उन में से मात्र 43.1% में बालिकाओं के प्रयोग योग्य शौचालय थे।

स्वास्थ्य

- औसतन आई.सी.डी.एस. केन्द्र महीने में 25 दिन और प्रतिदिन 3.5 घंटों के लिए खुले हुए थे।
- आई.सी.डी.एस. केन्द्रों में सर्वेक्षण के दिन होने वाली गतिविधि थीः अनौपचारिक शिक्षण।

जच्चा-बच्चा स्वास्थ्य

- **संस्थागत प्रसवः** 54% महिलाओं ने अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र में बच्चे को जन्म दिया। उनमें से 49% ने कहा कि प्रसव के समय स्वास्थ्य कार्यकर्ता उपस्थित थे और 37.4% ने कहा कि प्रसव के बाद स्वास्थ्य कार्यकर्ता उन्हें आ कर मिले।
- **घर पर प्रसवः** 46.1% महिलाओं ने घर पर ही बच्चे को जन्म दिया। उनमें से 55% ने कहा कि प्रसव के समय एक अन्य व्यक्ति मौजूद था और 16.4% ने कहा कि प्रसव के बाद स्वास्थ्य कार्यकर्ता उन्हें आ कर मिले।
- **जे.एस.वाई. योजनाः** 78.8% माताओं ने इस योजना के तहत धनराशि प्राप्त करने की बात कही।
- जिन से बात की गयी, उनमें से 81.6% महिलाओं को आई. सी. डी. एस. केन्द्रों के बारे में जानकारी थी परन्तु उन्हें भोजन को छोड़ वहाँ मिलने वाली अन्य सुविधाओं की जानकारी नहीं थी।
- 92% से अधिक महिलाओं ने जन्म के 24 घंटो के भीतर बच्चों को अपना दूध पिलाने और 73.2% ने 6 माह के बाद अर्ध–ठोस आहार देने की बात कही।

शिक्षा

- लगभग एक–तिहाई विद्यालय पी.टी.आर मानदंडों पर खरे नहीं उतरते।
- 58.5% विद्यालयों में चारदीवारी पाई गयी और खेल के मैदान थे।

1. जीवन और रोज़गार

यह खण्ड नीचे लिखे मुद्दों पर केन्द्रित है :

- मकान की किस्म, रसोई ईधन, सम्पत्ति, भूमि का स्वामित्व जैसे गरीबी से सम्बद्ध अवलोकन योग्य घटक
- ग्रहण किया जाने वाला भोजन तथा नमक का आयोडीनीकरण
- प्राथमिक कार्य गतिविधयां तथा वयस्कों के प्रवास के प्रतिरुप
- स्त्रियों का वित्तीय समावेश
- बुनियादी सेवाओं तथा सरकारी योजनाओं से जुड़ाव {पीडीएस(PDS), (MGNREGS)}

	सामाजिक समूह				
	सभी	**अजजा**	**अजा**	**अपिव**	**अजा/अजजा/अपिव नहीं**
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
% परिवारों के मकान की किस्म:					
कच्चा	34	42.8	33.3	35.7	23.2
अर्द्ध पक्का	15.7	23.2	14.5	16	12.1
पक्का	50.2	34.1	52.2	48.1	64.6
कोई जवाब नहीं है	0.1	0	0	0.2	0
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

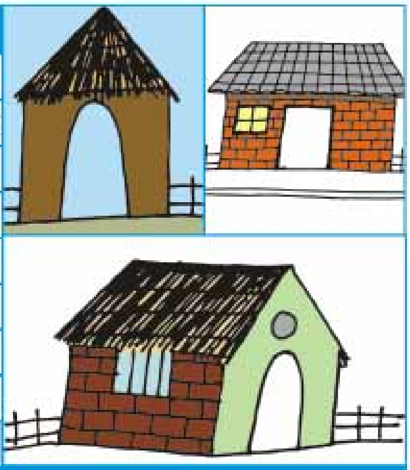

अधिकांश उत्तरदाता पक्के मकानों में रहते हैं। अनुसूचित जन जाति श्रेणी के उत्तरदाताओं की तुलना में अनुसूचित जाति श्रेणी के अधिक उत्तरदाता 'कच्चे' मकानों में रहते हैं।

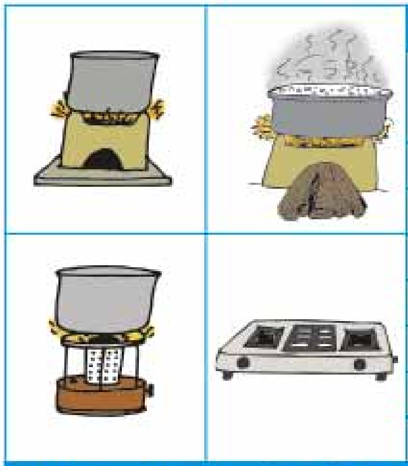

1.2 रसोई ईधन *

	सामाजिक समूह				
	सभी	**अजजा**	**अजा**	**अपिव**	**अजा/अजजा/अपिव नहीं**
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
% परिवार जो निम्नलिखित ईधन का उपयोग करते हैं :					
लकड़ी	99.5	100	99.7	100	97
कोयला	2.5	3.6	0.9	1.4	8.1
केरोसीन स्टोव	3.2	2.2	2.4	2.3	8.6
कोई जवाब नहीं है	0.1	0.2	0	0	0

** कॉलम का जोड़ 100 नहीं है क्योंकि एक से अधिक जवाब सम्भव थे।*

लगभग सभी परिवार ईधन के लिए लकड़ी का प्रयोग करते हैं।

1.3 भूमि का स्वामित्व*

	सामाजिक समूह				
	सभी	**अजजा**	**अजा**	**अपिव**	**अजा/अजजा/अपिव नहीं**
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
% परिवार जिनके पास :					
भूमि नहीं है	5.5	10.1	6.2	4.2	4.5
कुछ भूमि है	92.5	85.5	92	94.5	91.9
इसकी जानकारी नहीं है	0.5	0.7	0.3	0.3	1.5
कोई जवाब नहीं है	1.5	3.6	1.5	0.9	2
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

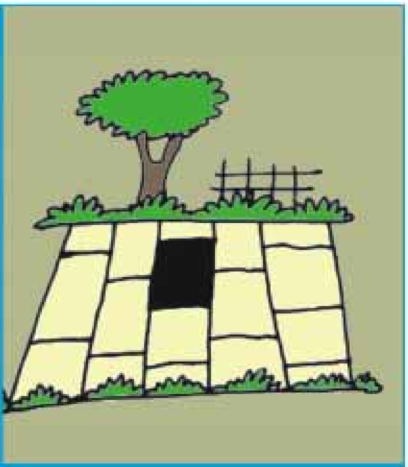

सभी जातियों के अधिकांश उत्तरदाताओं के पास 'कुछ ज़मीन' है।

नोटः जाति सम्बन्धी सूचना के लिए पृष्ठ 1 पर नोट देखें।

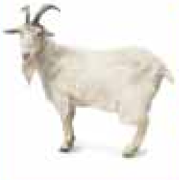

1.4 पशुधन *

	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नही
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
% परिवार जिनके पास :					
कोई पशु नहीं है	7.6	11.6	6.2	5.6	14.1
बकरी / भेड़ हैं	57.8	68.8	66.4	57.3	35.9
गाय/भैंस/बैल हैं	77.0	55.8	76.1	83.8	70.7
मुर्गियाँ हैं	2	3.6	1.8	0.5	6.6
कोई जवाब नहीं है	3.8	5.1	3.8	2.5	6.6

** कॉलमों का जोड़ 100 नहीं है क्योंकि एक से अधिक जवाब सम्भव थे।*

'गाय/भैंस/बैल' सबसे अधिक परिवारों के पास है, फिर फिर 'भेड़/बकरी' का नम्बर आता है।

1.5 परिवहन *

	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नही
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
% परिवार जिनके पास :					
साइकिल है	83.1	47.8	56.3	55.8	52
मोटरसाइकिल है	37.5	29.7	36.3	38.8	41.4
अन्य	5.8	2.2	8.3	6.7	1
कोई जवाब नहीं है	24.4	34.8	24.2	21.5	27.8

** कॉलमों का जोड़ 100 नहीं है क्योंकि एक से अधिक जवाब सम्भव थे।*

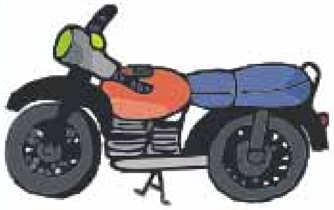

साइकिल परिवहन का पसन्दीदा साधन है।

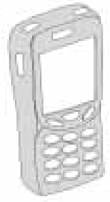

1.6 घरेलू सामानों का स्वामित्व (श्रेणी A मद) *

	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नही
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
% परिवार जिनके पास :					
सेल फोन है	79.7	72.5	80.8	78.3	86.4
प्रेशर कुकर है	11.6	15.9	7.1	5.9	34.8
बिजली का पंखा है	62.9	57.2	57.2	62.3	79.8
कुर्सियाँ/मेज़ है	20.1	17.4	12.4	16.7	46.5
घड़ी/कलाई घड़ी है	71.8	70.3	65.2	69.9	90.4
खाट है	99.2	98.6	99.1	99.4	99
कोई जवाब नहीं है	0.2	0	0.6	0.2	0

** कॉलम का जोड़ 100 नहीं है क्योंकि एक से अधिक जवाब सम्भव थे।*

अधिकांश परिवारों के पास 'खाट' है, फिर 'घड़ी', 'सैलफोन' और 'बिजली के पंखे' का नम्बर आता है।

1.7 घरेलू सामानों का स्वामित्व (श्रेणी B मद) *

वस्तु विशेष	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नहीं
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
% परिवार जिनके पास :					
एयर कूलर है	3.5	1.4	0.9	2.5	12.1
फ्रिज है	2.6	0	0.9	1.4	11.1
लैण्डलाइन है	2.9	2.2	1.2	2.3	8.1
सिलाई मशीन है	14	9.4	8.3	9.5	42.4
मिक्सर/ग्राइण्डर है	5.6	5.1	2.7	2.6	21.2
टी.वी है	22.1	18.1	17.1	18.5	44.9
कोई जवाब नहीं है	0.2	0	0.6	0.2	0

** कॉलमों का जोड़ 100 नहीं है क्योंकि एक से अधिक जवाब सम्भव थे।*

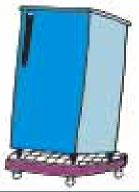

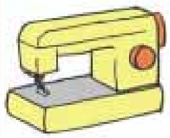

22 प्रतिशत परिवारों के पास 'टी.वी' है।

भोजन

पहेली सर्वेक्षण में उत्तरदाताओं (वयस्क स्त्रियों) से कहा गया कि वे पिछले 24 घण्टों में ग्रहण किए गए भोजन पदार्थ याद करें और बताएं। इस आधार पर, हमने दर्ज किया कि कौन से भोजन पदार्थ (पोषण भोजन समूहों से संबंधित) दिन में कम से कम एक बार ग्रहण किए गए थे।

1.8 वयस्क स्त्रियों के लिए ग्रहण किए जाने वाले भोजन का अनुमान *

जवाब देने वालों की संख्या	1331
उन स्त्रियों का प्रतिशत जिन्होंने दिन में कम से कम एक बार निम्न भोजन पदार्थ ग्रहण किया:	
ऊर्जा प्रदान करने वाले भोजन पदार्थ :	
गेंहू, चावल और मोटे अनाज	98.7
शरीर निर्माण करने वाले भोजन पदार्थ :	
दूध और दुग्ध उत्पाद	60.2
दाल	65.4
सुरक्षात्मक भोजन पदार्थ :	
हरी पत्तेदार सब्जियां	14.7
दूसरी सब्ज़ियां	61.3
फल	4.6
उपरोक्त सभी सुरक्षात्मक भोजन पदार्थ संयोजन के साथ	0.9

** कॉलम का जोड़ 100 नहीं है क्योंकि एक से अधिक जवाब सम्भव थे।*

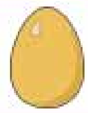
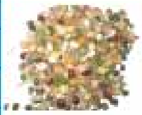

लगभग सभी स्त्रियों ने 'गेंहू/चावल और मोटे अनाज' खाए थे, 'दालें' कुछ कम स्त्रियों ने खाई थीं, 'दूध और दूध से बने पदार्थों' का सेवन काफी स्त्रियों ने किया।

नमक आयोडीन स्तर

1.9 परिवारों में नमक आयोडीनीकरण परीक्षण

	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नहीं
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
इष्टतम से कम आयोडीनीकरण	22.2	23.9	20.4	23.8	17.1
15ppm स्तर पर इष्टतम आयोडीनीकरण	77.6	74.6	79.1	75.4	79.9
परीक्षण नहीं किया	0.2	1.5	0.6	0.8	3
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

अधिकांश परिवार 'इष्टतम आयोडीनीकृत' नमक इस्तेमाल करते हैं।

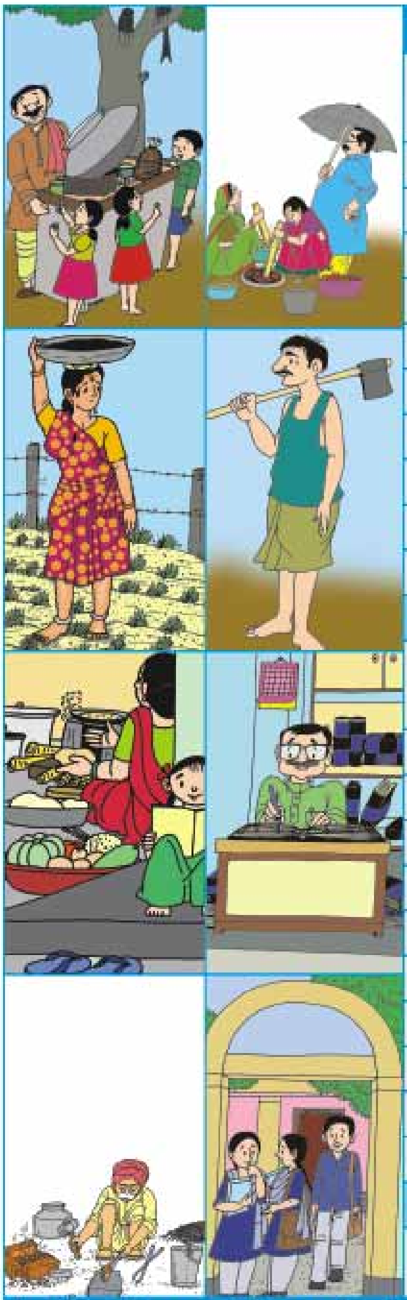

1.10 प्रमुख कार्य गतिविधियां

वयस्क पुरुष (16+)	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नहीं
उत्तरदाताओं की संख्या	2395	210	620	1181	356
अपनी भूमि पर खेती	37.8	48.1	48.7	48.6	32
अन्य भूमि पर दैनिक मज़दूरी	8	8.1	2.6	3.3	3.4
स्व–नियोजित शिल्पकार	4.3	11.4	15.8	12.1	17.1
वेतनभोगी कर्मचारी	5.3	12.4	11.3	14	16.6
दैनिक गैर–कृषि मज़दूरी	20	2.9	6.1	5.2	6.7
घरेलू कार्य	3.4	2.4	3.4	1.7	3.1
अध्ययन	9.3	6.2	5.5	5.9	9
अन्य*	10.3	8.2	5.7	7.9	11.2
कोई जवाब नहीं है	1.6	0.5	1	1.3	0.8
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**
वयस्क स्त्री (16+)	**सामाजिक समूह**				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नहीं
उत्तरदाताओं की संख्या	2311	209	532	1175	367
अपनी भूमि पर खेती	36	50.7	48.7	36.4	8.7
अन्य भूमि पर दैनिक मज़दूरी	1.6	4.3	2.8	0.9	0.8
स्व–नियोजित शिल्पकार	0.8	0.5	1.3	0.6	0.8
वेतनभोगी कर्मचारी	2.1	1	1.1	1.5	6
दैनिक गैर–कृषि मज़दूर	2.1	0.5	3.6	2.1	1.1
घरेलू कार्य	48.8	35.9	35	50	70.8
अध्ययन	2.7	2.9	2.6	1.6	6.5
अन्य*	4.6	4.3	4.2	5	4.7
कोई जवाब नहीं है	4.2	0	0.8	1.8	0.5
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

***अन्य में गैर–कृषि कार्य, स्व–नियोजित, वन उत्पाद जमा करना, काम की तलाश न करना शामिल हैं*

'अपनी जमीन पर खेती' पुरूषों की प्रमुख गतिविधि है। स्त्रियों की प्रमुख गतिविधि 'घर का कामकाज' है, फिर 'अपनी जमीन पर खेती' का नम्बर आता है।

1.11 बहिर्गामी प्रवास *

पुरुष	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नहीं
उत्तरदाताओं की संख्या	2395	210	620	1181	356
प्रवास करने वालों का %	13.5	8.6	16.8	13.4	11.5
औसत दिन	84	*बहुत कम अभिलेख			
स्त्री	**सामाजिक समूह**				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नहीं
उत्तरदाताओं की संख्या	2311	209	532	1175	367
प्रवास करने वालों का %	1.9	1.4	1.3	2.2	2.2
औसत दिन	98	*बहुत कम अभिलेख			

स्त्रियों की तुलना मे अधिक पुरुष प्रवास करते हैं, लेकिन स्त्रियाँ पुरुषों कि तुलना में अधिक दिनों के लिए प्रवास करती हैं।

बुनियादी सेवाओं और सरकारी योजनाओं के साथ जुड़ाव

1.12 स्त्रियों का वित्तीय समावेशन *	
उत्तरदाताओं की संख्या	1312
वे स्त्रियां जिनका एक खाता है (%)	67.2
यदि स्त्रियों का खाता है, तो वह कहाँ है ? (%)	
बैंक	29
पोस्ट ऑफिस	70.6
एस.एच.जी	3
**कॉलमों का जोड़ 100 नहीं है क्योंकि एक से अधिक जवाब सम्भव थे।*	

67 प्रतिशत से अधिक स्त्रियों के खाते है और वे अपने खाते पोस्ट–ऑफिस में रखती हैं।

1.13 पी.डी.एस (राशन दुकान)	सामाजिक समूह				
	सभी	**अजजा**	**अजा**	**अपिव**	**अजा/अजजा/अपिव नही**
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
परिवारों का % जिनके पास					
राशन कार्ड था	95.4	95.7	97.6	95.2	93.9
सर्वेक्षण के दिन राशन कार्ड उपलब्ध था	61.3	62.1	60.4	61	63.3

यह सवाल पूछने का औचित्य कुछ सम्भावित कमियों और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर नज़र डालना था, जो पी.डी.एस. में मौजूद हो सकते हैं। ये नतीजे सिर्फ़ उन परिवारों से सन्दर्भित हैं जो सर्वेक्षण करने वालों को एक राशन कार्ड दिखा पाए थे।

अधिकांश परिवारों के पास राशनकार्ड है।

पी. डी. एस. से राशन के आँकड़े घरों में सर्वेक्षण के साथ उपलब्ध राशन कार्डों पर आधारित है।

1.14 उत्तरदाता द्वारा स्मरण किए गए सामान की मात्रा की तुलना में राशन कार्ड में लिखी गई मात्रा

	चावल	गेहूं	केरोसीन	चीनी
नमूना आकार	**बहुत कम अभिलेख**	292	670	**बहुत कम अभिलेख**
समान (%)		95.6	97.2	
कम (%)		1.4	1.8	
ज़्यादा (%)		3.1	1	
कुल		**100**	**100**	

अधिकांश परिवारों को राशन की निर्धारित मात्रा मिली।

1.15 MGNREGS	
उत्तरदाताओं की संख्या	1031
उत्तरदाताओं की संख्या :	
जिन्हें योजना की जानकारी थी	695
जिन्हें 100 दिन काम प्रति परिवार या न्यूनतम भत्ते की जानकारी थी	314
जिन्हें 100 दिन काम प्रति परिवार एवं न्यूनतम भत्ते की जानकारी थी	192
जिन्होंने काम के लिए आवेदन किया	527
जिनको एक जॉब कार्ड प्राप्त हुआ	522
जिनको काम का अवसर प्राप्त प्राप्त हुआ	509
मज़दूरी तथा कार्यस्थल की दूरी	
प्राप्त औसत मज़दूरी (रु.)	78.6
न्यूनतम मज़दूरी (रु.)	99.5
औसत दूरी (कि.मी.)	1.3

अधिकांश परिवारों को योजना के बारे में जानकारी थी लेकिन उस के प्रावधानों के बारे में जानकारी बहुत कम लोगों को थी।

2. जल और स्वच्छता

जल

जल खण्ड निम्नलिखित मुद्दों पर केन्द्रित है:

- प्राथमिक पेयजल संसाधन: पहुँच तथा निर्भरता
- पेयजल की गुणवत्ता: जीवाणु संदूषण तथा फ्लोराइड
- परिवारों द्वारा पेयजल का शोधन
- प्रति व्यक्ति जल की औसत खपत

पीने के पानी की गुणवत्ता

हर गाँव में समस्त जल स्रोतों का खाका बनाने के बाद, फ्लोराइड परीक्षण के लिए गाँव के 5 प्रमुख स्रोत चुने गए। तालिका 2.1 सामुदायिक जल स्रोतों के फ्लोराइड स्तरों के बारे में सूचित करती है।

2.1 सामुदायिक पेयजल स्रोतों की गुणवत्ता (फ्लोराइड)

परीक्षण किए गए स्रोतों की संख्या	85
स्रोतों का % जिनमें:	
फ्लोराइड का स्तर अनुमत सीमा के बराबर या उससे कम (1.5 मि.ग्रा/ली.) था	76.5
फ्लोराइड का स्तर अनुमत सीमा से ऊपर (1.5 मि.ग्रा/ली.) था	23.5
कुल	**100**

76 प्रतिशत से अधिक सामुदायिक जल–स्त्रोतों में फ्लोराइड की मात्रा कम थी।

2.2 पेयजल का जीवाणु सन्दूषण

	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नही
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
परिवारों का % जहां जल :					
सन्दूषित था	76.9	93.5	73.7	75.4	76.3
सन्दूषित नहीं था	13.8	3.6	15	16.4	10.6
कोई जवाब नहीं है	9.3	2.9	11.2	8.3	13.1
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

76 प्रतिशत से अधिक पेयजल–स्त्रोतों में बैक्टीरिया की मात्रा काफी अधिक थी।

2.3 पेयजल से सन्तुष्टि

	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नही
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
परिवारों का % जो:					
पूर्ण सन्तुष्ट हैं	70.6	71.7	63.7	76.8	60.1
आंशिक रूप से सन्तुष्ट हैं	19.7	23.2	22.4	16.4	24.7
सन्तुष्ट नहीं हैं	8.8	5.1	13	6.2	12.6
पता नहीं	0.2	0	0.3	0.2	0
कोई जवाब नहीं है	0.8	0	0.6	0.5	2.5
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

पेयजल में बैक्टीरिया की मात्रा काफी अधिक होने के बावजूद अधिकांश परिवार उस से 'पूरी तरह सन्तुष्ट' या 'कुछ हद तक सन्तुष्ट' थे।

तालिका 2.2 तथा 2.3 जल की गुणवत्ता का स्तर तथा उसके बारे में धारणा के बीच अन्तर स्पष्ट करती है। जीवाणु सन्दूषण अधिक मात्रा में होने के उपरान्त भी अधिकांश परिवार पेयजल की गुणवत्ता से सन्तुष्ट हैं।

यह जल की गुणवत्ता के बारे में जागरूकता का अभाव दर्शाता है। आगे तालिका 2.4 तथा 2.5 जल शोधन की पद्धतियों का पता लगाते हुए जागरूकता की यह कमी स्पष्ट करती हैं।

2.4 जल शोधन

	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नही
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
परिवारों का % जो :					
शोधन नहीं करते	14.5	28.3	13.9	11.4	13.6
कम से कम एक विधि से शोधन करते हैं	82.2	70.3	85	82.9	85.9
कोई जवाब नहीं है	3.3	1.4	1.2	5.8	0.5
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

82 प्रतिशत से अधिक परिवार कम से कम एक तरीके से पानी का शोधन करते हैं।

पेयजल का जीवाणु सन्दूषण के लिए परीक्षण किया गया। इसका परिणाम, स्रोत अथवा आपूर्ति या संवाहन के रास्ते में सन्दूषण की ओर संकेत कर सकता है।

2.5 प्राथमिक पेयजल स्रोत

	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नही
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
परिवारों का % जो इस्तेमाल करते हैं :					
नल	21.3	23.2	13.3	20.4	34.3
हैण्डपम्प	40.8	47.1	48.4	37.5	34.8
कुँआ	24	16.7	23.9	27.7	18.7
अन्य*	13.3	11.6	13.9	14.2	11.1
कोई जवाब नहीं है	0.5	1.4	0.6	0.2	1
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

**अन्य में तालाब, पोखर, झील आदि अन्य स्रोत शामिल हैं।*

40 प्रतिशत से अधिक परिवार हैण्डपम्प का इस्तेमाल करते हैं, 24 प्रतिशत कुंए का।

2.6 घर से जल स्रोतों की दूरी

	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नही
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
परिवारों का % जहाँ प्राथमिक जल स्त्रोत :					
घर में या घर के ठीक बाहर है	28.3	31.2	20.9	26.2	43.9
250 मीटर के क्षेत्र में है	39.3	31.2	40.1	41.1	37.9
250 मीटर - 1 कि.मी. में है	26.5	24.6	33.6	27.3	14.6
1 कि.मी. से अधिक दूर है	4.6	10.1	4.7	4.4	1
कोई जवाब नहीं है	1.4	2.9	0.6	1.1	2.5
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

अधिकांश परिवारों का पेयजल–स्त्रोत 250 मीटर के अन्दर स्थित है।

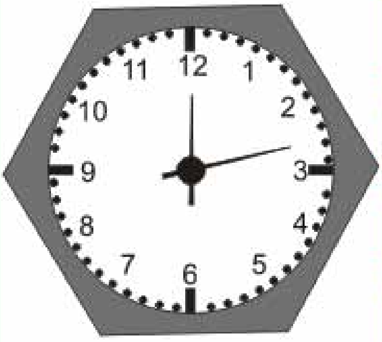

2.7 पानी भरने में लगने वाला समय					
	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नही
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
प्राथमिक जल स्रोत से पानी लाने में लगने वाले समय के अनुसार परिवारों का % (प्रति पारी)					
< 15 मिनट	38.1	43.5	30.7	36.6	49.5
15 मिनट और 1 घण्टे के बीच	52.7	42	58.4	54.8	45.5
1 और 2 घण्टों के बीच	7.4	10.9	8	7.5	3.5
> 2 घण्टे	1.1	2.2	2.4	0.5	0
कोई जवाब नहीं है	0.8	1.4	0.6	0.6	1.5
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

अधिकांश परिवारों को पेयजल जमा करने में 15 मिनट से 1 घण्टे तक का समय लगता है।

2.8 पेयजल की उपलब्धता					
	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नही
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
उन परिवारों का % जिनके प्राथमिक जल स्रोत जल प्रदान करते हैं :					
पूरे समय	81.8	74.6	82.6	86.4	71.7
दिन में एक बार	6	5.1	6.2	4.7	11.1
हर दूसरे दिन	7.2	11.6	6.5	5.1	10.1
सप्ताह में एक बार या कम	4.4	6.5	4.1	3.4	6.1
कोई जवाब नहीं है	0.7	2.2	0.6	0.3	1
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

अधिकांश परिवारों को 'सदा ही' पेयजल उपलब्ध रहता है।

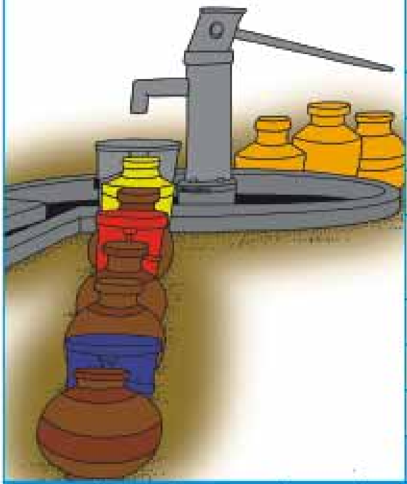

2.9 प्राथमिक जल स्रोत की विश्वसनीयता					
	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नही
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
उन परिवारों का समयवार % जो गर्मियों के दौरान पानी की कमी का सामना करते हैं :					
कोई कमी नहीं	54.1	50	53.7	54.7	53.5
सप्ताह में एक बार से कम	28.1	35.5	33.9	24	27.3
1-4 सप्ताह	6.7	5.8	7.4	5.5	10.6
> एक माह	10.6	7.3	4.4	15.7	7.1
कोई जवाब नहीं है	0.6	1.5	0.6	0.2	1.5
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

54 प्रतिशत से कुछ अधिक परिवारों को पानी की कमी नही रहती।

2.10 जल की औसत खपत (लिटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन)	
पीने के लिए	1.8
नहाने के लिए	21
शौचालय में इस्तेमाल के लिए	2.2
रसोई के लिए	4.1
कपड़े धोने में	17.8
एल. पी. सी. डी.*	46.8

**एल. पी. सी. डी. तालिका में दर्शाये गए पानी के सभी तरह के इस्तेमाल का कुल योग है*

पानी की सबसे अधिक खपत 'नहाने' और उस के बाद 'कपड़े धोने' में होती है।

स्वच्छता

स्वच्छता खण्ड निम्नलिखित मुद्दों पर केंन्द्रित है :

- परिवारों की स्वच्छता पद्धतियॉं
- परिवारों में शौचालय की उपलब्धता

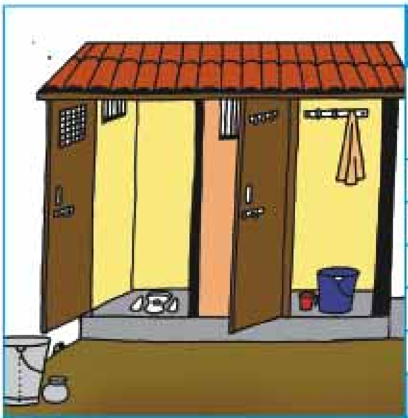

2.11 स्वच्छता पद्धतियां

	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नही
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
परिवारों का % जो :					
खुले में शौच के लिए जाते हैं	93.7	93.5	96.8	97.5	75.8
घरेलू शौचालय इस्तेमाल करते हैं	5	5.1	1.5	2.3	19.7
कोई जवाब नहीं है	1.4	1.4	1.8	0.2	4.5
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

अधिकांश परिवार 'खुले में शौच' करते हैं।

2.12 घरेलू शौचालय

	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नही
परिवारों की संख्या	1332	138	339	642	198
परिवारों का % जिनके पास					
एक शौचालय है	8.4	13	3.8	4.2	25.8
शौचालय नहीं है	91.3	87	95.9	95.5	73.7
कोई जवाब नहीं है	0.3	0	0.3	0.3	0.5
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

अधिकांश घरों मे शौचालय नहीं है।

3. स्वास्थ्य-माँ तथा शिशु

यह खण्ड निम्नलिखित मुद्दों पर केन्द्रित है :
- प्रसव पूर्व देखभालः प्राप्त की गई सेवाएँ, सेवाओं का स्रोत
- प्रसूति के स्थान के बारे में विवरण
- स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ सम्पर्क
- नवजात तथा छोटे शिशु को स्तनपान कराने की आदतें
- सरकारी योजनाओं के साथ जुड़ावः जननी सुरक्षा योजना
- आंगनवाड़ी केन्द्र का संचालन

NRHM नीति प्रावधान
NRHM-2005-12 क्रियान्वयन के लिए रूपरेखा MOHFW (परिवार तथा स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय)

शिशु के जन्म से पूर्व	शिशु का जन्म-प्रसूति	प्रसूति पश्चात देखभाल
न्यूनतम चार प्रसूति पूर्व परीक्षणः गर्भावस्था का सन्देह होते ही प्रसवपूर्व स्वास्थ्य केन्द्र पर पहली विज़िट, चौथे और छठे महीने के बीच दूसरी विज़िट, आठवें महीने में तीसरी तथा नौवे महीने में चौथी।	वजन, बीपी, एनीमिया, पेट की जॉच, ऊँचाई और स्तनों की जॉच जैसे सामान्य परीक्षण, पहले तीन महीनों में फोलिक एसिड की पूरक खुराक, आयरन तथा फोलिक एसिड की पूरक खुराक, टिटेनस टोक्साइड इंजेक्शन, एनीमिया का उपचार।	संस्थागत प्रसूतियों को बढ़ावा। घरों पर होने वाली प्रसूति के दौरान दक्ष कर्मियों की उपस्थिति। उचित तथा त्वरित सिफ़ारिश।
शिशु की देखभालः	• नवजात की अनिवार्य देखभालः 6 महीने तक केवल स्तनपान को बढ़ावा • सभी नवजातों तथा शिशुओं का पूर्ण टीकाकरण • मार्गदर्शिकाओं के अनुसार शिशुओं को विटामिन ए प्रोफिलेक्सिस • कुपोषण, संक्रमण आदि जैसे बाल्यवस्था के रोगों से बचाव तथा नियंत्रण	

यह तालिका उन स्त्रियों से उपलब्ध आँकड़ो के आधार पर बनी है जिनके कम से कम एक <3 साल का शिशु हो। जानकारी, सर्वेक्षण के समय जीवित सबसे छोटे <3 वर्ष की उम्र के बच्चे के सन्दर्भ में एकत्र की गई है।

3.1 गर्भावस्था में स्त्रियों द्वारा प्राप्त सेवाएं *

	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नही
उत्तरदाताओं की संख्या	366	48	94	166	53
स्त्रियों का %					
जिन्हें कम से कम 1 टीटी इंजेक्शन लगा है	85.3	81.3	78.7	87.4	92.5
जो कम से कम 1 प्रसव पूर्व देखभाल के परीक्षण के लिए गई हैं	73.7	54.2	70.2	81.8	73.6
जिन्होंने गर्भावस्था के दौरान आई.एफ.ए. की गोली ली है	55.5	50	56.4	56.6	56.6

** कॉलम का जोड़ 100 नहीं है क्योंकि एक से अधिक जवाब सम्भव थे।*

लगभग 85 प्रतिशत गर्भवती स्त्रियों ने 1 टीटी इंजेक्शन लिया, 73 प्रतिशत से अधिक ने प्रसव–पूर्व जांच करवाई और 55 प्रतिशत से अधिक ने गर्भावस्था में IFA की गोलियां ली।

3.2 प्रसवपूर्व देखभाल के स्रोत

	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नही
उत्तरदाताओं की संख्या	323	40	77	152	49
% महिलाएं जिन्हें निम्नलिखित स्थानों से उपचार मिला :					
सरकारी अस्पताल	76.5	75	81.8	74.3	73.5
निजी अस्पताल	13.6	7.5	7.8	15.8	22.5
अन्य* (%)	9.9	17.5	10.4	9.9	4.1
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

*इनमें वे महिलाएँ सम्मिलित है जो गर्भावस्था के दौरान कम से कम एक ए.एन.सी जाँच या टीटी इन्जेक्शन के लिये गई थीं।

इनमें वे महिलाएँ सम्मिलित हैं जिन्हे ये स्रोत पता नही थे या जिन्होंने इस स्रोत को रिपोर्ट नही किया।

76 प्रतिशत से कुछ अधिक स्त्रियों को प्रसव–पूर्व देखभाल 'सरकारी अस्पताल' में मिली।

3.3 प्रसव के स्थान के बारे में जानकारी

	सामाजिक समूह				
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नही
उत्तरदाताओं की संख्या	367	47	94	168	53
% महिलाएं जिन्होंने निम्नलिखित स्थानों में बच्चे को जन्म दिया:					
संस्थान	54	46.8	47.9	54.2	67.9
घर	46.1	53.2	52.1	45.8	32.1
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

54 प्रतिशत प्रसव किसी संस्थान में हुए।

संस्थागत प्रसव, प्रसव के दौरान होने वाली मातृ मृत्यु तथा शिशु व बाल मृत्यु को लिये नियन्त्रण कारक है। भारत सरकार की जननी सुरक्षा योजना खासतौर से गरीबों और संवेदनशील वर्गों के बीच संस्थागत प्रसव में वृद्धि करने पर ध्यान केन्द्रित करती है। साथ ही यह संस्था में सुरक्षित प्रसव के लिए कई प्रावधान भी करती है। योजना का मूल्यांकन करने के लिए पहेली सर्वेक्षण में जिले में होने वाले संस्थागत प्रसव के बारे में प्रश्न पूछे गये हैं। योजना के अर्न्तगत बनाए गये प्रावधानों और लाभार्थियों द्वारा लिये गये लाभ की भी समीक्षा की गई है।

3.4 संस्थान की किस्म (संस्थान में हुए प्रसव के सन्दर्भ में)

उत्तरदाताओं की संख्या	198
% महिलाएं जिन्होंने निम्नलिखित स्थानों में बच्चे को जन्म दिया :	
सरकारी अस्पताल में	79.8
निजी अस्पताल में	20.2
कुल	**100**

संस्थान में हुए प्रसवों में से लगभग 80 प्रतिशत 'सरकारी अस्पताल में हुए।

3.5 स्वास्थ्यकर्मी के साथ सम्पर्क (संस्थान में हुए प्रसव के सन्दर्भ में)

उत्तरदाताओं की संख्या	198
संस्थान में बच्चे को जन्म देने वाली महिलाओं में से उन महिलाओं का %:	
जिन के साथ संस्थान में स्वास्थ्यकर्मी साथ रहे	49
जिन के पास प्रसव के उपरान्त स्वास्थ्यकर्मी घर आये	37.4
**कॉलम का जोड़ 100% नहीं है।*	

संस्थान में हुए प्रसवों में 49 प्रतिशत मामलों में स्वास्थ्यकर्मी प्रसूता के साथ उपस्थित थी।

3.6 स्वास्थ्यकर्मी के साथ सम्पर्क (निजी आवास में हुए प्रसव के सन्दर्भ में)

उत्तरदाताओं की संख्या	169
घर में बच्चे को जन्म देने वाली महिलाओं में से उन महिलाओं का %:	
जिन के साथ प्रसव के दौरान स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे	55
जिन के पास प्रसव के उपरान्त स्वास्थ्यकर्मी घर आये	12.4
**कॉलम का जोड़ 100% नहीं है।*	

घर पर हुए प्रसव के 55 प्रतिशत मामलों में कुशल स्वाथ्यकर्मी उपस्थित थी।

3.7 दक्ष स्वास्थ्यकर्मी द्वारा कराए गये कुल प्रसव	
उत्तरदाताओं की संख्या	367
महिलाओं का % जिन्हें:	
प्रसव के दौरान दक्ष स्वास्थ्यकर्मी मिला	79.3
प्रसव के दौरान दक्ष स्वास्थ्यकर्मी नहीं मिला	16.4
कोई जवाब नहीं है	4.4
कुल	**100**

79 प्रतिशत से कुछ अधिक मामलों में प्रसव के समय कुशल स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थी।

3.8 संस्थान में उपस्थित स्वास्थ्यकर्मी	
उत्तरदाताओं की संख्या	198
% महिलाएँ जिनका संस्था में प्रसव हुआ और जिनसे प्रसव के दौरान स्वास्थ्यकर्मी की उपस्थिति की जानकारी उपलब्ध हुई:	
आशा	38.1
ए.एन.एम	24.7
ए.डब्ल्यु.डब्ल्यु	13.4
आशा/ए.एन.एम/ए.डब्ल्यु.डब्ल्यु में कोई भी नहीं	23.7
कोई जवाब नहीं है	0
कुल	**100**

संस्थान में हुए प्रसवों में 38 प्रतिशत से कुछ अधिक मामलों में आशा प्रसूता के साथ उपस्थित थी।

3.9 जननी सुरक्षा योजना- 1*					
	सामाजिक समूह				
	सभी	**अजजा**	**अजा**	**अपिव**	**अजा/अजजा/अपिव नही**
उत्तरदाताओं की संख्या	198		45	91	36
जननी सुरक्षा योजना के अर्न्तगत नकद लाभ					
जननी सुरक्षा योजना के अर्न्तगत नकद राशि की प्राप्ति (%)	78.8	**बहुत कम अभिलेख**	77.8	81.3	66.7
प्राप्त औसत राशि	1460.9		1490.6	1494.6	1404.2

**जननी सुरक्षा योजना के लिये उन महिलाओं से सवाल पूछे गये जिनके पहले से ही कम से कम एक <3 वर्ष का बच्चा था।*

लगभग 79 प्रतिशत मामलों में प्रसूताओं को जसुयो राशि मिली।

3.10 जननी सुरक्षा योजना- 2	
उत्तरदाताओं की संख्या	156
जिन महिलाओं को जननी सुरक्षा के अर्न्तगत नकद राशि प्राप्त हुई, उन में से उन का % जिन्होनें:	
इस रकम को हासिल करने के लिये शुल्क दिया	5.1
इस रकम को हासिल करने के लिए कोई शुल्क नहीं दिया	92.3
कोई जवाब नहीं है	2.6
कुल	**100**
लाभ पाने में समस्याएँ आई	7.7
लाभ पाने में कोई समस्या नहीं आई	89.1
कोई जवाब नहीं है	3.2
कुल	**100**

89 प्रतिशत से कुछ अधिक मामलों में प्रसूताओं को जसुयो राशि मिलने में कोई परेशानी नहीं हुई।

3.11 शिशु तथा बच्चों का खानपान ^	
उत्तरदाताओं की संख्या	365
वे महिलाएँ जिन्होंने अपने बच्चों को स्तनपान कराया (%)	99.7
% महिलाएँ जिन्होंने अपने बच्चे को निम्नलिखित समय के अन्तर्गत स्तनपान कराया:	
जन्म के आधे घंटे के अन्दर	59.3
जन्म के 24 घंटों के अन्दर	33.5
जन्म के 24 घंटों के बाद	6
कोई जवाब नहीं है	1.1
कुल	**100**
% महिलाएँ जिन्होंने अपने बच्चे को अर्द्ध–ठोस भोजन दिया :	
<4 माह में	7.3
>6 माह में	73.2
4 से 6 माह में	11.4
कोई जवाब नहीं है	8.2
कुल	**100**

^जननी सुरक्षा योजना के लिये उन महिलाओं से सवाल पूछे गये जिनके पहले से ही कम से कम एक बच्चा <3 साल का था।

लगभग 100 प्रतिशत स्त्रियों ने कहा कि उन्होंने नवजात शिशु को स्तनपान करवाया। 59 प्रतिशत से कुछ अधिक ने जन्म के आधे घण्टे के अन्दर स्तनपान करवाया।
73 प्रतिशत से कुछ अधिक शिशुओं को 6 महीने का होने के बाद अर्ध–ठोस आहार दिया गया।

बच्चों का, उम्र के हिसाब से वजन के अनुसार, पोषण स्तर का मूल्यांकन हुआ। निर्धारित Z स्कोर (उम्र के अनुसार वज़न पर आधारित) बच्चों के लिये <-2SD वज़न के साथ को 'थोड़ा कम वज़न' वाला कहा गया तथा Z के लिये <-3SD वज़न वालों को 'अत्यन्त कम वज़न' वाला कहा जाता है।
बच्चों का वज़न गाँव के उन्हीं आंगनवाड़ी केन्द्र या स्वास्थ्य केन्द्र में लिया गया जहाँ वज़न तौलने वाली मशीन उपलब्ध थी।

3.12 बच्चों की आयु के अनुसार वज़न पर आधारित पोषण का मूल्यांकित स्तर*	
0 से 72 माह तक के बच्चों के लिये कुल सैम्पल आकार	112
0 से 72 माह के बच्चों का प्रतिशत जो :	
वज़न में कम (<-2SD) हैं	54.5
वज़न में अत्यन्त कम हैं (<-3SD)	31.3
0 से 36 माह के बच्चों का प्रतिशत जो :	
वज़न में कम (<-2SD) हैं	52.5
वज़न में अत्यन्त कम हैं (<-3SD)	30.7
36 से 72 माह के बच्चों का प्रतिशत जो :	
वज़न में कम (<-2SD) हैं	**बहुत कम अभिलेख**
वज़न में अत्यन्त कम हैं (<-3SD)	**बहुत कम अभिलेख**
*कॉलमों का जोड़ 100 नहीं हैं।	

0–72 मास आयुवर्ग के 54 प्रतिशत से कुछ अधिक बच्चों का वज़न कम था, उन में से लगभग 32 प्रतिशत का वज़न काफी कम था।

आँगनवाड़ी केन्द्र (AWC)* से सम्बन्धित सुविधाएँ

3.13 आँगनवाड़ी केन्द्र से माताओं का सम्पर्क*	
उत्तरदाताओं की संख्या	728
उन महिलाओं का प्रतिशत जिन्हें आंगवाड़ी केन्द्र के बारे में पता था	81.6
आँगनवाड़ी के बारे में जानने वाली महिलाओं का % जिन्हें निम्नलिखित सुविधाएँ प्राप्त हुईं–	
बच्चों के लिये खाना	66.8
गर्भवती तथा स्तनपान कराने वाली माताओं के लिये खाना	39.2
टीकाकरण	35.7
ए.एन.सी देखभाल	21.2
बच्चों की प्रगति में समीक्षा तथा सिफ़ारिश सेवाएँ	16.3
माताओं के लिये आहार से सम्बन्धित सुझाव	12.5
बच्चों को दी गई अनौपचारिक शिक्षा	6.4

** कॉलम का जोड़ 100 नहीं है क्योंकि एक से अधिक जवाब सम्भव थे।*

आँगनवाड़ी केन्द्रों के लिये उन माताओं से सवाल किये गये जिनके कम से कम 6 साल का एक बच्चा था।

लगभग 82 प्रतिशत स्त्रियों को आगनवाड़ी केन्द्रों और वहां मिलनेवाली सुविधाओं की जानकारी थी।

आँगनवाड़ी का मुआयना

जिन गाँवों में दौरा किया गया उन गाँवों में से किसी भी आँगनवाड़ी केन्द्र को चुना गया। आँगनवाड़ी में तीन मुख्य क्षेत्रों, संरचना, कार्य और अधिकारियों के बारे में सूचना एकत्रित की गई।

3.14 आँगनवाड़ी केन्द्रः कार्य अवधि तथा भवन की किस्म	
आँगनवाड़ी केन्द्रों की संख्या	55
काम करने के औसत घंटे	3.6
भवन के आधार पर आँगनवाड़ी का प्रतिशत :	
विद्यालय	10.9
ए.डब्ल्यु.डब्ल्यु/ए.डब्ल्यु एच का घर	3.6
कोई अन्य घर	14.5
सरकारी भवन	60
सार्वजनिक स्थल	3.6
खुला स्थान	0
अन्य	7.3
कुल	**100**

60 प्रतिशत आंगनवाड़ी केन्द्र सरकारी भवनों में चल रहे हैं।

3.15 आँगनवाड़ी केन्द्र की सामग्री*	
आँगनवाड़ी केन्द्रों की संख्या	55
उन आँगनवाड़ी केन्द्रों का प्रतिशत जिनमें निम्नलिखित प्रयोग–योग्य स्थिति पाए गए:	
वयस्कों के लिये वज़न मशीन	61.8
बच्चों के लिये वज़न मशीन	69.1
बच्चों की प्रगति का चार्ट	70.9
ज़रूरी दवाइयाँ	80
बच्चों के लिए खिलौने	69.1
बर्तन और स्टोव	78.2

** कॉलम का जोड़ 100 नहीं है क्योंकि एक से अधिक जवाब सम्भव थे।*

आंगनवाड़ी केन्द्रों में आवश्यक सामग्रियां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

3.16 आँगनवाड़ी केन्द्र की गतिविधियां*	
आँगनवाड़ी केन्द्रों की संख्या	55
% जो सर्वेक्षण के दौरान लिखित गतिविधियाँ कर रहे थे:	
भोजन करना	34.5
टीकाकरण	7.3
अनौपचारिक शैक्षणिक गतिविधियाँ	36.4
गर्भवती माताओं को भोजन प्रदान	5.5
** कॉलम का जोड़ 100 नहीं है क्योंकि एक से अधिक जवाब सम्भव थे।*	

आंगनवाड़ी केन्द्रों में 'अनौपचारिक शिक्षा' और 'भोजन' सबसे अधिक देखी गई गतिविधियां रही।

3.17 आँगनवाड़ी केन्द्रो में उपलब्ध पानी की गुणवत्ता	
आँगनवाड़ी केन्द्रों की संख्या	55
% आँगनवाड़ी केन्द्र जहाँ पर पानी :	
प्रदूषित (विषाणुयुक्त) था	63.6
प्रदूषित नहीं था	9.1
जाँच नहीं की गई	27.3
कुल	**100**

आंगनवाड़ी केन्द्रों में पेयजल के लगभग 64 प्रतिशत स्त्रोत बैक्टीरिया से संदूषित थे।

पेयजल का सूक्ष्म जैविक सन्दूषण के लिए परीक्षण किया गया। परिणाम स्रोत अथवा आपूर्ति के दौरान– जैसे संवाहन या भण्डारण के समय– सन्दूषण की ओर संकेत कर सकते हैं।

4. शिक्षा

यह खण्ड निम्न विषयों पर केन्द्रित हैः
- स्कूल तथा स्कूल से पूर्व नामांकन
- बच्चों के बुनियादी पठन स्तर : भाषा तथा गणित
- वयस्क महिलाओं में शिक्षा और साक्षरता स्तर
- मध्याह्न भोजन योजना तथा RTE का क्रियान्वयन

4.1 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों का नामांकन

	सभी		अजजा		अजा		अपिव		अजा/अजजा/अपिव नही	
	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ
सर्वेक्षित बच्चों की संख्याः	742	648	82	70	213	157	355	333	88	81
% बच्चे जिनका नामांकन :										
सरकारी स्कूल में हुआ	79.1	67.9	63.4	51.4	80.3	68.2	81.1	67.9	84.1	81.5
निजी स्कूल में हुआ	8.9	5.3	9.8	5.7	7.5	1.3	8.5	6	13.6	8.6
अन्य	0.1	0.5	0	0	0	0.6	0.3	0.6	0	0
नामांकन नहीं हुआ	6.9	15.4	13.4	20	7.5	19.7	6.2	16.2	0	0
कोई जवाब नहीं है	5	11	13.4	22.9	4.7	10.2	3.9	9.3	2.3	9.9
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

स्कूल में नामांकन में लड़के आगे हैं और नामांकन न होने में लड़कियां।

4.2 स्कूल तथा प्री-स्कूल में छोटे बच्चों का नामांकन

	सभी		अजजा		अजा		अपिव		अजा/अजजा/अपिव नही	
	3-4 साल	5-6 साल	3-4 साल	5-6 साल	3-4 साल	5-6 साल	3-4 साल	5-6 साल	3-4 साल	5-6 साल
सर्वेक्षित बच्चों की संख्याः	262	323		36	75	81	122	161	37	42
% बच्चे जिनका नामांकन :										
आँगनवाड़ी/बालवाड़ी में हुआ	47.7	21.4	*बहुत कम अभिलेख	33.3	53.3	14.8	46.7	21.7	37.8	23.8
LKG/UKG में हुआ	5.7	0.6		0	6.7	1.2	2.5	0	18.9	2.4
सरकारी स्कूल में हुआ	NA	52.6		33.3	NA	59.3	NA	54	NA	47.6
निजी स्कूल में हुआ	NA	13		11.1	NA	12.4	NA	11.8	NA	21.4
अन्य	NA	0.3		0	NA	0	NA	0.6	NA	0
नामांकन नहीं हुआ	32.1	11.8		22.2	26.7	12.4	32.8	11.2	29.7	4.8
कोई जवाब नहीं है	14.5	0.3		0	13.3	0	18	0.6	13.5	0
कुल	**100**	**100**		**100**	**100**	**100**	**100**	**100**		

3–4 वर्ष के काफी अधिक बच्चों का कहीं नामांकन नहीं हुआ है, नामांकित बच्चों में से ज़्यदातर आंगनवाड़ी/बालवाड़ी जाते हैं

4.3 कक्षा III तथा कक्षा V के बच्चों का सीखने का स्तरः

कक्षा	Std III	Std V
सर्वेक्षित बच्चों की संख्या	166	155
पढ़ना		
% बच्चे जो :		
पढ़ सकते थे	24.1	65.2
पढ़ नही सकते थे	67.5	23.9
कोई जवाब नहीं है	8.4	11
कुल	**100**	**100**

कक्षा 3 के अधिकतर बच्चे कक्षा 1 के स्तर का अनुच्छेद नहीं पढ़ पाते। कक्षा 5 के लगभग 24 प्रतिशत बच्चे कक्षा 1 के स्तर का अनुच्छेद नहीं

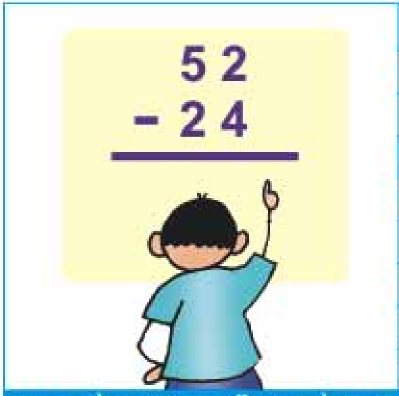

4.4 कक्षा III तथा कक्षा V के बच्चों का सीखने का स्तर:		
कक्षा	Std III	Std V
सर्वेक्षित बच्चों की संख्या	166	138
गणित		
% बच्चे जो:		
घटाव कर सकते हैं	13.9	45.2
घटाव नहीं कर सकते हैं	77.7	43.9
कोई जवाब नहीं है	8.4	11
कुल	**100**	**100**

कक्षा 3 के लगभग 78 प्रतिशत बच्चे घटाव का सवाल हल नहीं कर पाते। कक्षा 5 के 43 प्रतिशत से अधिक बच्चे घटाव का सवाल हल नहीं कर पाते।

4.5 वयस्क महिलाओं में शिक्षा और साक्षरता					
	सभी	अजजा	अजा	अपिव	अजा/अजजा/अपिव नही
उत्तरदाताओं की संख्या	1192	121	289	595	174
% महिलाएँ जो:					
स्कूल गई थीं	16.7	6.6	9.3	11.8	53.5
स्कूल नहीं गई थीं	82.8	93.4	90	87.9	45.4
स्कूल में उपस्थिति के बारे में कोई सूचना नहीं	0.5	0	0.7	0.3	1.2
पहली कक्षा के स्तर के अनुच्छेद को पढ़ सकती हैं	13.9	5	9.3	10.1	40.8
पहली कक्षा के स्तर के अनुच्छेद को नहीं पढ़ सकती हैं	74.5	81.8	83	78.3	41.4
अध्ययन से सम्बन्धित कोई भी सूचना नहीं दे पाई	11.6	13.2	7.6	11.6	17.8
स्कूल में पढ़ी हुई उन महिलाओं की संख्या जो पहली कक्षा के स्तर के अनुच्छेद को पढ़ सकती हैं	72.4	*बहुत कम अभिलेख*		71.4	75.3

** कॉलमों का जोड़ 100 नहीं है क्योंकि एक से अधिक जवाब सम्भव थे।*

लगभग 83 प्रतिशत स्त्रियां कभी स्कूल नही गई थीं। केवल 13.9 प्रतिशत कक्षा 1 के स्तर का अनुच्छेद पढ़ पाई।

स्कूल संकेतक

4.6 मध्याह्न भोजन योजना	
सर्वेक्षित स्कूलों की संख्या	65
इस योजना से लाभान्वित होने वाले औसत विद्यार्थी	72.6
% स्कूल जिनमें	
रसोई है	87.7
भोजन निर्धारित तालिका के अनुसार परोसा जाता है	81.5
कोई रसोइया है	95.4
खाना पकाने और परोसने के लिये बर्तन हैं	95.4
खाने का भण्डार करने के लिये डिब्बे हैं	86.2

अधिकांश स्कूलों में मिड–डे मील स्कीम का अनुपालन होता मिला।

4.7 स्कूलों में उपलब्ध जल की गुणवत्ता	
सर्वेक्षित स्कूलों की संख्या	65
% स्कूल जहाँ पर पानी :	
सन्दूषित (जीवाणु युक्त) था	55.4
सन्दूषित नहीं था	10.8
जाँच नहीं की गई	33.9
कुल	**100**

लगभग 56 प्रतिशत स्कूलों में पेयजल में बैक्टीरिया पाए गए।

4.8 RTE नियमानुसार सुविधाओं के प्रतीक	
सर्वेक्षण किये गये स्कूलों की संख्या	65
विद्यार्थी शिक्षक अनुपात (PTR)*	
% स्कूल जो:	
^PTR के मानदण्डों पर खरे उतरते हैं(सारे स्कूल)	29.2
PTR के मानदण्डों पर खरे उतरते हैं(< 200विद्यार्थी)	29.3
PTR के मानदण्डों पर खरे उतरते हैं(> 200विद्यार्थी)	28.6
कार्यालय/खेल का मैदान/चारदीवारी*	
% स्कूल जिनमें :	
कार्यालय–स्टोर–मुख्यअध्यापक का कमरा हैं	83.1
खेल का मैदान हैं	58.5
चारदीवारी हैं	58.5
पुस्तकालय सुविधाएं	
% स्कूल जिनमें :	
कोई पुस्तकालय नहीं है	38.5
दौरे वाले दिन कोई भी किताब प्रयुक्त नहीं हुई है	27.7
दौरे वाले दिन किताबें प्रयुक्त हुई हैं	27.7
कोई जवाब नहीं है	6.2
कुल	**100**
सामान्य शौच सुविधाएँ	
% स्कूल जिनमें :	
ऐसी कोई भी सुविधा नहीं है	4.6
व्यवहार योग्य ऐसी कोई भी सुविधा नहीं है	20
व्यवहार योग्य ऐसी सुविधा है	66.2
कोई जवाब नहीं है	9.2
कुल	**100**
लड़कियों के लिये शौच सुविधाएँ	
% स्कूल जिनमें :	
लड़कियों के लिए ऐसी कोई भी सुविधा नहीं है	26.2
लड़कियों के लिए व्यवहार योग्य सुविधा नहीं है	12.3
लड़कियों के लिए व्यवहार योग्य सुविधा है	43.1
कोई जवाब नही है	18.5
कुल	**100**
पीने के पानी की सुविधा	
% स्कूल जिनमें :	
पीने के पानी की कोई सुविधा नहीं थी	4.6
सुविधा थी लेकिन पानी नहीं था	3.1
पीने का पानी मौजूद था	80.8
कोई जवाब नहीं है	12.3
कुल	**100**

** कॉलम का जोड़ 100 नहीं है क्योंकि एक से अधिक जवाब सम्भव थे।*
^ PTR- विद्यार्थी–शिक्षक अनुपात

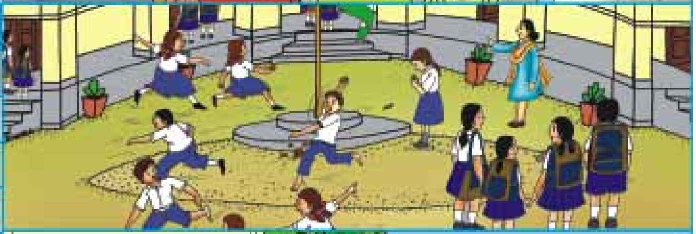

बच्चों के लिये मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम 2009 तथा एक स्कूल के लिये मानकों (धारा 19 व 25) के प्रावधानों से उद्धृत

कक्षा 1 से 5 में शिक्षकों की संख्या

नामांकित बच्चों की संख्या	शिक्षकों की संख्या
≤60	2
61-90	3
91-120	4
121-200	5
>150	5+1 प्रधानाध्यापक
>200	विद्यार्थी शिक्षक अनुपात (प्रधानाध्यापक के अतिरिक्त) 40 से अधिक नही होना चाहिये.

स्कूल की सुविधाएँ:

पक्के भवन में निम्न सुविधाएँ होनी चाहिएं

- प्रत्येक शिक्षक के लिये कम से कम 1 कक्षा
- कार्यालय – स्टोर – मुख्य शिक्षक का कक्ष
- लड़कों तथा लड़कियों के लिये अलग शौचालय
- सभी बच्चों के लिये पीने का साफ पानी
- एक ऐसी रसोई जहाँ पर मध्यान्ह भोजन पकता है
- खेल का मैदान
- स्कूल को सुरक्षित बनाने के लिये चारों ओर दीवार या बाड़
- पुस्तकालय

  हर स्कूल में एक पुस्तकालय होना चाहिए जिसमें समाचारपत्र, पत्रिकाएँ और कहानियों सहित हर विषय पर किताबें मौजूद हों।

भीलवाड़ा ज़िले का नक्शा

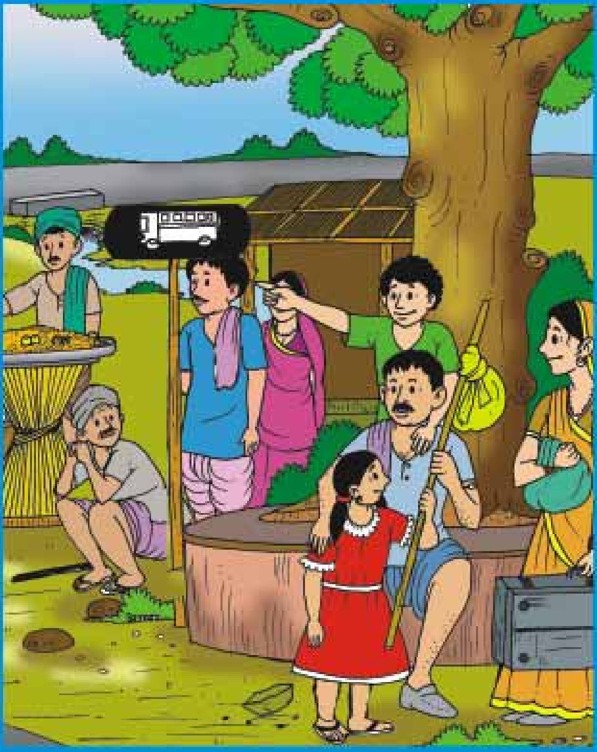

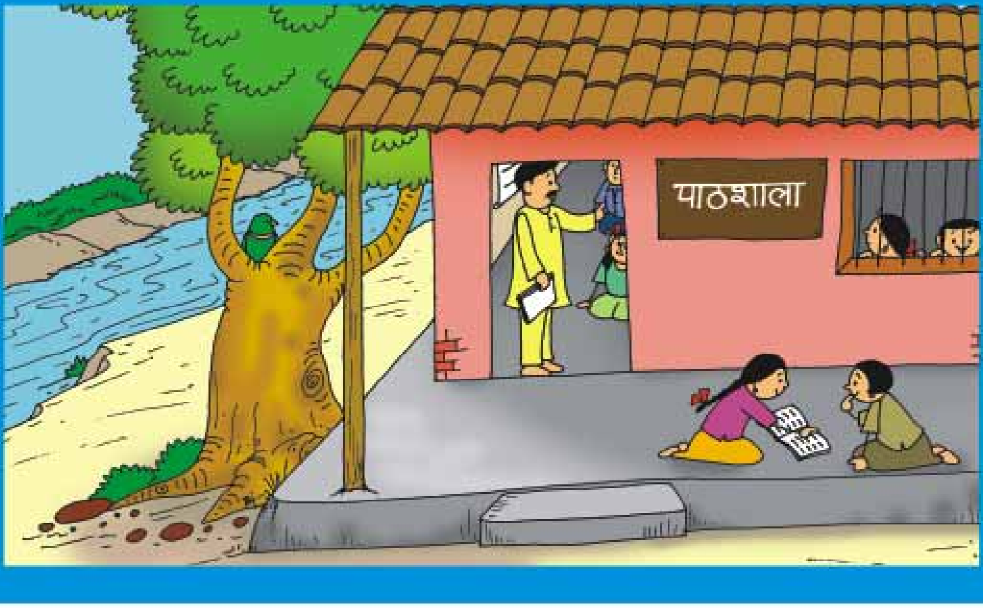

ASER Centre
B4/54, Safdarjung Enclave
New Delhi-110029
Contact: contact@asercentre.org

Pratham Rajasthan
House No. F-45,III Avenue,Lal
Bahadur Nagar West, Durgapura,
Jaipur, Rajasthan-302018.